Paper-I
Deg I +I
module-6 Welfare Economics -

कल्याणवादी अर्थशास्त्र अर्थशास्त्र की वह शाखा है जिसमें आर्थिक नीतियों का विश्लेषण मुख्य रूप से समाज के कल्याण को अधिकतम करने की दृष्टि से किया जाता है। इसको हम इस प्रकार से परिभाषित कर सकते हैं कि "कल्याणवादी अर्थशास्त्र आर्थिक विश्लेषण की वह शाखा है जिसका सम्बन्ध मुख्यत: ऐसी कसौटियों का प्रतिपादन करना है जिनके आधार पर नीतियों का विचार करके सामाजिक कल्याण को अधिकतम बनाया जा सके।"

कल्याणवादी अर्थशास्त्र की मुख्य परिभाषा निम्न है

साइटोवस्की के अनुसार — कल्याणकारी अर्थशास्त्र आर्थिक सिद्धान्त का वह भाग है जो मुख्यतया नीति से सम्बन्धित होता है"

रेडर के अनुसार — कल्याणवादी अर्थशास्त्र, आर्थिक विज्ञान की वह शाखा है जो आर्थिक नीतियों के लिए औचित्य के मानदण्ड की स्थापना तथा प्रयोग करने का प्रयत्न करती है"।

कल्याणवादी अर्थशास्त्र के उद्देश्य — यह आर्थिक कल्याण को अधिकतम करने वाले उपायों और साधनों का अध्ययन करता है। यहां आर्थिक कल्याण से तात्पर्य उस सन्तुष्टि से है जो समाज के व्यक्तियों को विभिन्न सेवाओं के उपभोग से प्राप्त होती है।

(2) वह उन दशाओं को बतलाता है जिनके द्वारा यह मालूम होता है कि एक वातावरण में दूसरे वातावरण की अपेक्षा व्यक्ति अधिक या कम या बराबर सन्तुष्ट है।

(3) यह उन दशाओं को भी बतलाता है जिनके द्वारा यह मालूम होता है कि सम्पूर्ण समाज का आर्थिक कल्याण एक समयावधि में दूसरी समयावधि की अपेक्षा बढ़ा है या घटा है।

(4) कुछ अर्थशास्त्रियों के अनुसार कल्याणवादी अर्थशास्त्र का उद्देश्य ऐसे सिद्धान्तों का प्रतिपादन करना भी है जो वैज्ञानिक होते हुए भी नीतिशास्त्र सम्बन्धि निर्णयों से मुक्त होता है। परन्तु प्रो० लिटिल का कहना है कि कल्याणवादी अर्थशास्त्र का सम्बन्ध नैतिक निर्णयों से होना आवश्यक है।

कल्याणवादी अर्थशास्त्र में नैतिक निर्णयों का स्थान

ऐसे नीतिशास्त्र सम्बन्धी कथन जो कि सुझाव रखने, प्रभावित करने तथा मनाने का कार्य करते हैं उन्हें नैतिक निर्णय कहा जाता है। उदाहरण के लिए आर्थिक शक्ति के केन्द्रीयकरण को कम किया जाना चाहिए। बढ़ती हुई कीमतों को नियन्त्रित करना चाहिए जनसंख्या का नियंत्रण आर्थिक विकास में वृद्धि करेगा। इस प्रकार के कथन जो नैतिक निर्णयों को बताते है। इस प्रकार एक नैतिक निर्णय वह है

Ajanta Oxford

Scanned with CamScanner

जो निष्कर्षों को अधिकतम से परिवर्तन करके व्यक्तियों के हितों [illegible] करने की प्रवृत्ति रखता है।

कल्याणकारी अर्थशास्त्र के मूल्य निर्णय — कल्याण एक नैतिक धारणा है और इसलिए सभी कल्याण अर्थशास्त्र नैतिक या मूल्य निर्णयों पर आधारित होते हैं। [illegible] यह कहा गया है कि कल्याणकारी अर्थशास्त्र और नीतिशास्त्र को अलग नहीं किया जा सकता है। कल्याणकारी अर्थशास्त्र में नैतिक निर्णयों का [illegible] से प्रयोग किया जाना चाहिए। नहीं तो इस अर्थशास्त्र का कोई महत्व नहीं रह जाता।

लेकिन एक प्रमुख प्रश्न यह है कि क्या अर्थशास्त्रियों को नैतिक निर्णय का स्वयं निर्धारण करना चाहिए या नैतिक निर्णय को बाहर से लिया हुआ मानें? इस विषय में अर्थशास्त्रियों में मतभेद है। कुछ अर्थशास्त्रियों ने इस सम्बन्ध में अपनी राय दी है जिनमें कुछ प्रमुख हैं पीगू तथा नव-प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री, रॉबिन्स, हिक्स, काल्डोर, स्किटोवस्की का नाम प्रमुख है।

मार्शल और पीगू के विचार के अनुसार उपयोगिता का परिमाणात्मक मापन किया जा सकता है और इसलिए उपयोगिता एक परिमाणात्मक विचार है। इस मान्यता के आधार पर पीगू ने आय के पुनर्वितरण की नीति का प्रतिपादन किया है जिसके अनुसार अमीर वर्ग से आय लेकर निर्धन व्यक्ति को दिया जाता है तो सामाजिक कल्याण में वृद्धि होगी। [illegible] यह है कि उपयोगिता की व्यक्तियों के बीच तुलना करना [illegible] इस नैतिक निर्णय पर नैतिक मान्यता पर आधारित है जो [illegible] के लिए [illegible] हो सकते हैं।

लेकिन रॉबिन्स ने पीगू की नैतिक मान्यता की कड़ी आलोचना की और बताया कि अन्तर्वैयक्तिक तुलनाएँ सम्भव नहीं हैं।

[illegible] ने पैरेटियन कल्याण के विचार को स्वीकार किया है जो क्रमवाचक उपयोगिता पर आधारित है। पैरेटियन कल्याण का विचार भी नैतिक निर्णयों से मुक्त नहीं है। लिटिल ने पैरेटियन कसौटी को एक विशुद्ध नैतिक मान्यता पर आधारित [illegible] और यह नैतिक मान्यता है यह एक अच्छी बात है कि बिना किसी दूसरे को हानि पहुँचाए किसी एक व्यक्ति की स्थिति में सुधार हो।

काल्डोर तथा स्किटोवस्की ने क्षतिपूर्ति सिद्धान्त को निर्मित किया है और सामाजिक परिवर्तन से सम्बन्धित पैरेटियन विचार का विस्तार किया। अपने क्षतिपूर्ति सिद्धान्त की सहायता से उन्होंने उन आर्थिक परिवर्तनों का मूल्यांकन करने का दावा किया है जो कुछ व्यक्तियों के लिए लाभदायक तथा कुछ के लिए हानिप्रद होते हैं यद्यपि उन्होंने ऐसा बिना किसी मूल्य निर्णय

Scanned with CamScanner